भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +**3385**

सोमवार, **9** दिसम्बर, **2019/18** अग्रहायण, **1941** (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उदयगिरि किले का विकास

+**3385.** श्री अदला प्रभाकर रेड्डीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की नेल्लोर, आन्ध्र प्रदेश स्थित उदयगिरि किले, जो एक प्राचीन किला और पर्यटकों का आकर्षण केन्द्र है, के विकास की कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इसके विकास और इसे पर्यटन के मानचित्र के अंतर्गत लाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) से (ग) : पर्यटन मंत्रालय, स्वदेश दर्शन योजना के अन्तर्गत देश में थीमेटिक परिपथों का सुनियोजित और प्राथमिकता प्रदत्त तरीके से विकास कर रहा है। योजना के अन्तर्गत विकास के लिए परियोजनाएं राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से पहचानी जाती हैं तथा निधियों की उपलब्धता, विस्तृत परियोजना रिपोर्टों को प्रस्तुत करने, संगत योजना दिशा-निर्देशों के अनुपालन, तथा पहले जारी निधियों के उपयोग की शर्त पर स्वीकृत की जाती हैं।

इस मानदण्ड के आधार पर, मंत्रालय ने 59.70 करोड़ रु. से वर्ष 2015-16 के दौरान आंध्र प्रदेश में तटवर्ती परिपथः नेल्लोर-पुलिकट झील- उब्बलामडुगु जल प्रपात-नेलापट्टु-कोथाकोडुरू- माइपाडु-रामतीर्थम- इस्कापल्ली के विकास के लिए एक परियोजना स्वीकृत की है। उदयगिरि किला इस परियोजना में शामिल नहीं है।

****